RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार, 21 मार्च 2023 वर्ष 04 अंक 287 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई NCB की बड़ी कार्रवाई!

इतने करोड़ का MD जब्त, तीन ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार...

मुंबई : मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल वर्ली यूनिट ने तीन ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास से 5 किलो एमडी ड्रग्स बरामद किया गया है। मुंबई के बांद्रा इलाके से इन लोगों के पास से ड्रग जब्त किया गया है। जानकारी के अनुसार इस ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय मार्केट में 10.03 करोड़ रुपए कीमत है। तीनों ड्रग पेडलर पर ठउढर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 17 मार्च हमे जानकारी मिली कि बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में कुछ संदिग्ध है, जिसके बाद हमने इस एरिया में अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। पिछले हफ्ते अधिकारियों को तीन संदिग्धों की गतिविधि की जानकारी मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने छापेमारी की और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस सर्च ऑपरेशन के दौरान मेफेड्रोन ड्रग्स जिसे एमडी भी कहा जाता है उसे जब्त किया गया। अधिकारियों ने 60 ग्राम संदिग्ध ड्रग, 100 ग्राम दूसरी ड्रग दूसरे संदिग्ध के पास से मिली है, जबकि तीसरे के पास 110 ग्राम एमडी बरामद की गई है। आरोपियों से पूछताछ के बाद अन्य ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से 4.79 किलो एमडी बरामद किया गया।

महाराष्ट्र सरकार पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए तैयार!

कर्मचारियों ने वापस ली हड़ताल

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों की हड़ताल खत्म!

मुंबईः पुरानी पेंशन की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों की चल रही हड़ताल आखिरकार खत्म हो गई है। हड़ताली संघ समन्वय समिति के संयोजक विश्वास काटकर ने घोषणा की है कि राज्य सरकार से सफल चर्चा के बाद हड़ताल वापस ली जा रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल की अहम बैठक हुई। काटकर ने दावा किया कि इस बैठक में सरकार ने हमारी मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई है और राज्य में पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी। काटकर ने यह भी कहा कि सरकार ने ऐसा लिखित आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री इस संबंध में विधानसभा में बयान देंगे। उन्होंने यह भी बताया कि हड़ताल खत्म होने के बाद कर्मचारी कल(मंगलवार) से काम पर आएंगे। कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने से आम लोगों ने राहत की सांस ली है।

महाराष्ट्र में 18 लाख सरकारी कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के विवादास्पद मुद्दे पर सफल बातचीत के बाद सोमवार को अपनी सप्ताह भर की अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त कर दी। हड़ताली संघ समन्वय समिति के संयोजक विश्वास कटकर ने कहा कि राज्य सरकार ओपीएस को वापस लाने के मुद्दे पर विचार करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गई है, जिसे 2005 में बंद कर दिया गया था। कटकर ने कहा कि हमारी मूल मांग पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की थी। इस संबंध में सरकार ने पिछले सात दिनों में अलग-अलग कार्रवाई की है। आज उन्होंने आखिरकार साफ कर दिया कि हमने इस पर गंभीरता से विचार करने के बाद एक समिति नियुक्त की है।

7 साल से फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार,

फड़नवीस की पत्नी को कर रहा था ब्लैकमेल

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस की पत्नी अमृता फड़नवीस को ब्लैकमेल करने के आरोपी फरार चल रहे अनिल जयसिंघानी को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ़्तार कर लिया है. 72 घंटों की भागदौड़ के बाद जयसिंघानी को क्राइम ब्रांच ने गुजरात बॉर्डर से पकड़ा. अनिल की गिरफ़्तारी के लिए क्राइम ब्रांच की तरफ से ऑपरेशन 'AJ' चलाया गया था. मुंबई क्राइम ब्रांच के साइबर सेल के डीसीपी बालसिंग राजपूत ने बताया कि मालाबार हिल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज होने के बाद से हम इस आरोपी की तलाश में थे और इसे पकड़ने के लिए हमने ऑपरेशन 'AJ' शुरू किया था.

ठाणे के एक व्यवसायी से 33.65 लाख रुपये की ठगी!

बिटकॉइन में निवेश करने का दिया था झांसा...

ठाणे : ठाणे के मीरा रोड इलाके में रहने वाले 37 वर्षीय एक व्यवसायी से 33.65 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि कारोबारी को बिटकॉइन में निवेश करने का झांसा देकर फंसाया गया। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी व बेईमानी से संपत्ति देने के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता एक व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिए आरोपियों के संपर्क में आया। फरवरी 2022 में उसे ग्रुप 'एडमिन'

(ग्रुप का संचालन करने वाले) सहित दो लोगों से एक संदेश मिला, जिसमें लिखा था कि अगर वह अधिक लाभ चाहता है तो बिटकॉइन निवेशक बनें। अधिकारी ने कहा, '' व्यवसायी मान गया और उसने निवेश किया। शुरूआत में उसे फायदा हुआ लेकिन बाद में उसे नुकसान हुआ और उसने पैसा लगाना बंद कर दिया। हालांकि आरोपियों ने उससे संपर्क किया और उसे अच्छा लाभ (रिटर्न) मिलने का वादा किया।

उन्होंने उससे इस लाभ पर 20 प्रतिशत कमीशन की मांग की। इसके बाद उसने अपने बिटकॉइन खाते के विवरण में 2,47,210 डॉलर की राशि देखी, जिसे वह तकनीकी समस्या की वजह से निकाल नहीं सका।'' उन्होंने बताया कि कुछ दिन बाद व्यवसायी को एक संदेश मिला कि ''अनुबंध समाप्त होने की वजह से'' उनकी बिटकॉइन सेवाएं बंद हो गई हैं। तभी दोनों आरोपी भी फरार हो गए, जिसके बाद व्यवसायी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। बिटकॉइन एक आभासी मुद्रा है जो भारत में विनियमित नहीं है। इसका प्रचलन काफी समय से दुनिया भर के बैंककर्मियों के लिए चिंता का कारण बन गया है।

पालघर लिंचिंग मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग

सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार

मुंबई। पालघर लिंचिंग मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गईं थी, जिन पर अब सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। कोर्ट ने याचिकाओं को लिस्ट करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच को याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि राज्य सरकार भी पालघर लिंचिंग मामले की सीबीआई जांच कराने के पक्ष में है।

महाराष्ट्र सरकार ने भी दी सहमति

गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह पालघर लिंचिंग मामले की जांच

सीबीआई को सौंपने को तैयार है। इससे पहले राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि वह घटना के दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी लेकिन सीबीआई को घटना की जांच वाली याचिका खारिज करने की अपील की थी। बता दें कि अप्रैल 2020 में तीन लोग कार में सवार होकर मुंबई के कांदिवली से गुजरात के सूरत एक अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। कोरोना महामारी के कारण देश में लॉकडाउन लागू था।

संपादकीय / लेख

अतिवाद पर अंकुश

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

खालिस्तान समर्थक अतिवादी नेता अमृतपाल सिंह के साथियों पर पंजाब पुलिस ने जो कार्रवाई की, वह आवश्यक थी। कायदे से यह कार्रवाई बहुत पहले और विशेष रूप से तभी हो जानी चाहिए थी, जब अमृतपाल सिंह और उसके साथियों ने हथियारों के बल पर अजनाला थाने में धावा बोला था। यह कानून के शासन को खुली चुनौती थी। इस घटना के तत्काल बाद कोई कार्रवाई न होने से न केवल पंजाब पुलिस के मनोबल पर विपरीत असर पड़ रहा था, बल्कि पंजाब सरकार के इरादों पर भी सवाल उठ रहे थे। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि केंद्र सरकार की ओर से चिंता जताए जाने के बाद ही अमृतपाल पर शिकंजा कसने का फैसला लिया गया। उसके साथियों को जिस तरह गिरफ्तार कर असम ले जाया गया, उससे यही स्पष्ट होता है कि यह जो कार्रवाई हुई, उसमें केंद्र सरकार का भी सहयोग और समर्थन रहा। जब कहीं आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया जा रहा हो, तब केंद्र और राज्य के लिए मिलकर सक्रिय होना आवश्यक होता है। यह अच्छा हुआ कि पंजाब में ऐसा ही हुआ, लेकिन अमृतपाल के खिलाफ कार्रवाई में जिस तरह देरी हुई, उससे सबक सीखने की आवश्यकता है। अमृतपाल केवल भारत विरोधी ताकतों के हाथों में ही नहीं खेल रहा, बल्कि पंजाब में अतिवाद और अलगाववाद को भी हवा दे रहा। उसके खिलाफ कार्रवाई में देरी से लोगों के बीच गलत संदेश जा रहा था।

यह समझना कठिन है कि पंजाब पुलिस के इतने व्यापक और सघन अभियान के बाद भी अमृतपाल फरार कैसे हो गया? कहीं ऐसा तो नहीं कि उसकी गिरफ्तारी को किसी रणनीति के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। सच जो भी हो, पंजाब पुलिस को भगोड़े अमृतपाल की गिरफ्तारी सुनिश्चित करनी होगी। केवल उसकी गिरफ्तारी ही आवश्यक नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि उसके समर्थक नए सिरे से सिर न उठाने पाएं। यह भी देखना होगा कि कोई नया अमृतपाल न पैदा होने पाए। इसकी आशंका इसलिए है, क्योंकि पंजाब में कुछ तत्व ऐसे हैं, जो खालिस्तान समर्थकों को हवा देते रहते हैं। यह भी कोई छिपी बात नहीं कि ऐसे तत्व देश के बाहर भी हैं। वे कनाडा, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन आदि देशों में तो हैं ही, पाकिस्तान में भी हैं। जहां भारत सरकार को यह देखना होगा कि इन तत्वों पर लगाम कैसे लगे, वहीं पंजाब सरकार को इस पर ध्यान देना होगा कि राज्य में खालिस्तान समर्थक अतिवादी तत्वों पर अंकुश लगाने में कोई कोताही न बरती जाए। इसके लिए पंजाब पुलिस को प्रोत्साहन देने और उसके मनोबल को ऊंचा रखने की जरूरत है। पंजाब सरकार को इस तथ्य की अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि 1980 के दौर में खालिस्तानी आतंकवाद पर लगाम लगाने का काम उसकी पुलिस ने ही किया था।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

वैतरणा और भायंदर खाड़ी पर तीन नए पुलों का निर्माण

कम समय में होगी वसई-मुंबई की यात्रा

वसई : पालघर मुंबई से सटा एक जिला है। यहां से रोजाना लाखों लोग नौकरी और बिजनेस के सिलसिले में मुंबई आते-जाते हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई को पालघर, वसई और विरार से जोड़ने के लिए वैतरणा और भायंदर की खाड़ी के पास तीन नए पुलों के निर्माण का निर्देश दिया है. बता दें कि पर्याप्त संचार सुविधाओं के अभाव में वसई-विरार से मुंबई आने के लिए लोकल ट्रेन के अलावा सड़क मार्ग है, लोकल ट्रेनों में काफी भीड़ होती है और सड़क मार्ग की खस्ताहाल होने के कारण इसमें समय

और ईंधन की बबार्दी होती है। वहीं भायंदर खाड़ी पर बना पुल 22 साल से ठप है। इस संबंध में वसई-विरार के विधायकों और प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और शहर की स्थिति से अवगत कराया. इस बैठक में नालासोपारा के विधायक क्षितिज ठाकुर, बोईसर राजेश पाटिल, मुख्यमंत्री कार्यालय के महानिदेशक राधेश्याम मोपलवार और अपर सचिव भूषण गगरानी उपस्थित थे. इस बैठक में भायंदर और नायगांव के बीच मेट्रो रेल के किनारे अतिरिक्त क्रीक ब्रिज और वसोर्वा-विरार-पालघर समुद्री पुल के निर्माण की मांग की गई थी। विधायक ठाकुर ने मुख्यमंत्री को बताया कि इन तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं से मुंबई महानगर क्षेत्र और दक्षिण गुजरात के बीच पुलों को जोड़ने और संचार सुविधा में मदद मिलेगी. शहर में 7 नई सड़क परियोजनाएं और 12 नए फ्लाईओवर प्रस्तावित हैं। विधायक क्षितिज ठाकुर ने भी उनके कार्यों में तेजी लाने की मांग की, इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने एमएमआरडीए, एमएसआरडीसी, एमएमबी और महारेल जैसी परियोजनाओं को लागू करने वाले संबंधित संगठनों को उपाय करने का निर्देश दिया।

महिलाओं को जबरदस्ती सेक्स रैकेट में धकेल देता था ये शख्स...

27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार

नालासोपारा : पालघर जिले के नालासोपारा में पुलिस ने महिलाओं को देह व्यापार में धकेलने के आरोप में 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 15 मार्च को मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस कमिश्नरेट की मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ (एएचटीसी) की नालासोपारा इकाई के अधिकारियों ने आरोपी की गिरफ्तारी की। एएचटीसी के वरिष्ठ निरीक्षक संतोष चौधरी ने बताया, 'पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति कुछ महिलाओं को देह-व्यापार के धंधे में धकेल रहा है। जिसके बाद पुलिस ने नालासोपारा नाके से आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।' पुलिस ने बताया कि आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक स्थानीय मॉल में छापा मारा और दो महिलाओं को देह-व्यापार के धंधे से मुक्त कराया। उन्होंने बताया कि वालीव पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम की धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया।

तुलिंज में व्यापारी से 2 करोड़ की ठगी!

नालासोपारा: तुलिंज में कई जूलर्स को होलसेल व्यवसाय करने का झांसा देकर एक ठग ने करोड़ों रुपये की चपत लगा दी है। व्यापारियों की शिकायत पर तुलिंज पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, गंगोत्री गोकुल टावर में रहनेवाले लक्ष्मीलाल केशरीमल जैन (49 वर्ष) की तुलिंज रोड पर श्रीराम ज्वेलर्स नामक शॉप है।

वसई पश्चिम में रहनेवाले महावीर उर्फ सनी भवरलाल जेन ने 3 मई 2022 को उससे संपर्क किया और कहा कि होलसेल जूलरी शुरू करते हैं, इसमें ज्यादा मुनाफा है। उसके झांसे में आकर लक्ष्मीलाल जेन ने महावीर जैन को

तीन किलो चार सौ ग्राम सोना दे दिया। मार्केट में इसकी कीमत एक करोड़ 80 लाख रुपये बताई गई है। इसी तरह, महावीर जेन ने नेमीचन्द जेन व नितिन जैन से भी 30 लाख रुपये आरटीजीएस से लिए थे। इन लोगों से रुपये व जूलरी लेने के बाद महावीर जैन ने कोई कारोबार शुरू नहीं किया और न ही किसी को रुपये लोटाए।

जब एक व्हाट्सअप स्टेटस ने दर्ज करा दी FIR

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में एक शख्स को व्हाट्सअप पर स्टेटस लगाना काफी महंगा पड़ गया. महाराष्ट्र पुलिस ने उस स्टेटस के आधार पर उस व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जल्द ही उसकी गिरफ्तारी हो सकती है. महाराष्ट्र पुलिस के मुताबिक एक शिकायत के आधार पर, उन्होंने रविवार (19 मार्च को) व्हाट्सएप पर मुस्लिम समुदाय के एक व्यक्ति के खिलाफ धारा 295 के तहत तब केस दर्ज किया जब उसने व्हाट्सएप पर मुगल बादशाह औरंगजेब

की तारीफ की. पुलिस अधिकारी ने बताया, आरोपी ने 16 मार्च को यह स्टेटस लगाया था. अधिकारी ने आगे कहा, अभी वह इस मामले की जांच करेंगे और उसके बाद कोई भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही पुलिस ने अपील की है, कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट नहीं करने की सलाह दी जिससे समाज में किसी तरह की वैमनस्यता फैलती हो.

'औरंगजेब की कब्र को हैदराबाद स्थानांतरित करें'

सूत्रों के मुताबिक व्हाट्सअप पर आरोपी व्यक्ति की प्रतिक्रिया के पीछे सत्तारूढ़ शिवसेना के विधायक संजय सिरशाट की वह प्रतिक्रिया मानी जा रही है जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हैदराबाद स्थानांतरित करने की मांग की थी.

सिरशाट की इस प्रतिक्रिया के भी पीछे छत्रपति संभाजी नगर का नाम बदलने और पुराने 'औरंगाबाद' को वापस करने के लिए एआईएमआईएम के आंदोलन को कारण बताया गया है.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार, 21 मार्च 2023

मुंबई में बेस्ट से सफर करनेवालों को बड़ी राहत

फिर सड़कों पर दौड़ेंगी बंद की गईं 400 बीएस-6 बसें

मुंबईः बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई ऐंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) ने कुछ दिनों पहले कुछ बसों में आग लगने की घटनाओं के बाद कई बसों को ऑपरेशन से हटा दिया था। इसके कारण कई रूट पर बेस्ट की बसों में सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही थी। शहर के महत्वपूर्ण हिस्सों को जोड़ने वाले कई रूट पर बसों की कमी का असर अन्य ट्रांसपोर्ट पर साफ देखा गया। बहरहाल, पिछले सप्ताह सभी बसों को नियमित कर दिया गया है और सोमवार से लोगों की परेशानी खत्म होने की उम्मीद है। लीज कॉन्ट्रैक्टर के जरिए भारत स्टेज-6 (बीएस6) मानक की 400 बसें खरीदी गई थीं। इन बसों में मैन्यूफैक्चरिंग डिफेक्ट होने के कारण आग लगने की घटनाएं हो रही थीं। तीन बसों में यात्रा के दौरान ये दुर्घटनाएं होने के बाद प्रशासन ने सभी 400 बसों को सर्विस से हटाने का फैसला लिया। ये सभी नॉन एसी सीएनजी बसें थीं। बहरहाल, इन बसों के मैन्यूफैक्चरिंग डिफेक्ट को दूर कर दिया गया है, और सभी बसों को फिर से नियमित कर दिया।

20 दिन तक पड़ा प्रभाव

बेस्ट की सेवा से सभी 400 बसों को हटाए जाने के कारण मुंबई

में कई रूट पर बसों की कमी देखी गई। यात्रियों को भारी परेशानी हुई। कंपनी ने 20 दिनों तक सभी 400 बसों का गहन परीक्षण किया और मैन्यूफैक्चरिंग डिफेक्ट को दूर करने के बाद दोबारा बेस्ट की सर्विस में शामिल कर लिया गया। सूत्रों के अनुसार, इंजन में कुछ पुर्जों को बदला गया है।

विशेष बसों का रखना होगा ध्यान

एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सभी घटनाएं बीएस-6 वाली बसों में हुई थीं। एक या डेढ़ साल पुरानी बसों में इंजन को बदलना पड़ा है। इन बसों में कई समस्याएं आ रही हैं। हालांकि लगातार तकनीकी गड़बड़ी होने की शिकायतें मिल रही हैं। बेस्ट के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रोजाना 10-15 बसों में गड़बड़ी होने के बाद उन्हें हटाना पड़ता है। अभी भी जिन 400 बसों का निरीक्षण हुआ है, उस कंपनी के इंजिनियर्स को बुलाया गया था। उनकी निगरानी में इंजन को बदला गया। कई पुर्जों को हवाई मार्ग से मंगवाया गया।

गैस लीक होने की शिकायत

निरीक्षण में पता चला कि गैस लीक हो रही थी और इंजन सामान्य से ज्यादा ही गरम हो रहा था। निरीक्षण के बाद सीएनजी ट्यूब्स को भी बदला गया है। ये सभी बसें वारंटी पीरियड में हैं। अंदेशा जताया जा रहा है कि इंजन के गरम होने और गैस सप्लाई वाले पाइप के सटे होने के कारण आग लगने की घटनाएं हो रही थीं। भारत सरकार ने अप्रैल 2020 से बीएस-6 मानकों पर आधारित वाहनों को ऑपरेट करने का नियम लागू किया है।

मुश्किलों में फंसे संजय राउत, इस मामले में केस दर्ज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के ठाकरे गुट के नेता संजय राउत की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। दरअसल हाल ही में संजय राउत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, संजय राउत के खिलाफ सोलापुर जिले के बरशी थाने में मामला दर्ज किया गया था। एक मामले में संजय राउत ने पीड़ित लड़की की फोटो ट्वीट की थी। इसी के चलते जानकारी सामने आ रही है कि पीड़ित लड़की की पहचान सामने आने पर संजय राउत खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। केस दर्ज होने से राउत की मुश्किलें बढ़ने की संभावना है। अब ऐसे में देखना यह होगा की ठाकरे गुट के नेता सांसद संजय राउत के साथ आगे क्या होता है। क्या उनकी मुश्किलें फिर से बढ़ती है या फिर उन्हें इस मामले से छुटकारा मिलता है।

मुंबई में पुरानी सोसायटी का रीडिवेलपमेंट हुआ सस्ता

बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर महाराष्ट्र सरकार ने बदले नियम

मुंबई : पुरानी सोसायटी के रीडिवेलपमेंट पर होने वाला खर्च कुछ कम हो गया है। बॉम्बे हाई कोर्ट के एक फैसले का रियल इस्टेट सेक्टर के साथ ही सोसायटियों ने भी स्वागत किया है। कोर्ट ने अपने आदेश में परमानेंट अल्टरनेट अकोमोडेशन एग्रीमेंट ऑन रीडिवेलपमेंट (पीएएए) पर लगने वाली स्टैप ड्यूटी को 100 रुपये से अधिक न होने का आदेश दिया है। हाउसिंग ऐंड रेरा कमिटी ऑफ बिल्डर असोसिएशन के चेयरपर्सन आनंद गुप्ता के अनुसार, पीएएए पर लगने वाली स्टैंप ड्यूटी को 100 रुपये निर्धारित कर कोर्ट ने बिल्डरों के साथ ही सोसायटी को भी राहत पहुंचाने का काम किया है। दो बार स्टैंप ड्यूटी भरने के बजाय केवल एक बार स्टैंप ड्यूटी भरने से प्रॉजेक्ट का खर्च कम होगा। इसका लाभ बिल्डर के साथ ही ग्राहक

को भी प्राप्त होगा।

यूनिमोंट रियल्टी के डायरेक्टर आनंद दोशी के अनुसार, अब तक सोसायटी का रीडिवेलपमेंट करते वक्त दो बार स्टैंप ड्यूटी भरनी पड़ती थी। पहली बार स्टैंप ड्यूटी डिवेलपर्स और सोसायटी के बीच होने वाले डिवेलपमेंट एग्रीमेंट के वक्त भरती पड़ती थी, जो करीब 5 फीसदी होती थी। बिल्डर की तरफ से सभी मंजूरी प्राप्त करने पर सोसायटी के सदस्य और बिल्डर के बीच परमानेंट ऑलटरनेटिव अकोमोडेशन अग्रिमेंट (पीएएए) होता था। पीएएए के वक्त भी करीब 5 फीसदी स्टैंप ड्यूटी जमा करनी होती है। कोर्ट के आदेश के बाद अब केवल एक बार ही स्टैंप ड्यूटी देनी होगी। इस आदेश से बिल्डर और ग्राहक के बीच होने के विवाद भी कम होने, क्योंकि कुछ मामलों में बिल्डर ग्राहकों को एक बार का ड्यूटी का खर्च उठाने को कहते थे, जो विवाद का कारण बनता था। एक तरह से कहें, तो अब 1 करोड़ के खर्च पर 5 से 6 लाख रुपये की बचत होगी। क्रेडाई एमसीएचआई के अध्यक्ष बोमन ईरानी के अनुसार, पीएएए को लेकर स्पष्टता आने से सोसायटियों के रीडिवेलपमेंट के कार्य में तेजी आएगी। लागत कम होने से बिल्डर की ऐसे प्रॉजेक्ट के लिए प्रोत्साहित होंगे। शहर की पुरानी सोसायटियों का पुनर्विकास तेजी से कर पाना संभव होगा।

नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर अवैध रूप से पोस्टर चिपकाने 2 गिरफ्तार

नालासोपारा : रेलवे स्टेशनों पर अवैध रूप से पोस्टर चिपकाने वालो पर इन दिनों आरपीएफ नालासोपारा द्वारा डंके की चोट पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में १६ मार्च को आरपीएफ नालासोपारा ने दो पोस्टर चिपकाने वालो को फिर पकड़ा व उनपर रेल अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया है कि १६ मार्च (गुरुवार) को आरपीएफ ड्यूटी स्टाफ,एच.सी प्रमिला यादव के द्वारा एक बाहरी व्यक्ति को नालासोपारा पूर्व बुकिंग रेलवे परिसर में ' सुनहरा अवसर, अतिरिक्त आमदनी कमाना अब हुआ आसान ' के पोस्टर लगाते हुए रंगे हाथ पकड़ा,उसके बाद एसआईपीएफ सुभाष चंद्र यादव द्वारा पूछताछ करने पर पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम,पंकज रामदास सकपाल उम्र ३७ पता-बृंदावन कालोनी कल्याण पूर्व में रहना बताया,उक्त व्यक्ति से कुल नग १५० पोस्टर जप्त किया गया।इसी प्रकार उक्त रेलवे स्टेशन से आरपीएफ नालासोपारा ने पोस्टर चिपकाते हुए रंगे हाथ करण सुनील घोसालकर (३४) को पकड़ा,करण एस. वी.रोड विरार पूर्व का रहने वाला है।उक्त व्यक्ति से कुल नग १४० पोस्टर जप्त किया गया,दोनो लोगो ने अनधिकृत रूप से रेलवे परिसर मे पोस्टर लगाना का गुनाह स्वेच्छा से कबूल किया,वही आरपीएफ ने दोनो लोगो पर रेल अधिनियम के तहत केस दर्ज कर उन्हें जेएमएफसी/बीसीआर न्यायालय में पेश किया गया ,जहा उन्हें पीआर बॉन्ड पर रिहा किया गया है।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर टेक कंपनी के सीईओ की मौत, पति के साथ टहलने निकली थीं

मुंबई : मुंबई के वर्ली इलाके में वर्ली डेयरी के पास रविवार सुबह 6:30 बजे एक तेज रफ्तार एसयूवी कार की चपेट में आने से एक प्रौद्योगिकी कंपनी की सीईओ राजलक्ष्मी राम कृष्णन की मौत हो गई। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। पुलिस ने कहा, कृष्णन दादर-माटुंगा क्षेत्र की रहने वाली थीं और घटना के समय सुबह अपने पति के साथ टहलने

निकली थीं। घर लौटते समय उनके साथ हादसा हो गया। कार का चालक सुमेर मर्चेंट भी घायल हो गया और उसे हिरासत में ले लिया गया है। वह एक निजी कंपनी में काम करता है और मुंबई के ताड़देव इलाके में रहता है। उसके खिलाफ आईपीसी की कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद महिला को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इस हादसे में 23 वर्षीय कार चालक को भी मामूली चोटें आई हैं। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार, 21 मार्च 2023

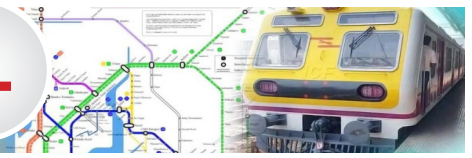

लव जिहाद, लैंड जिहाद और आर्थिक बहिष्कार...

महाराष्ट्र में एक ही थीम पर 4 महीने में हिंदू संगठनों की 50 रैलियां

महाराष्ट्र में पिछले साल नवंबर से अब तक करीब चार महीने में कम से कम 50 'हिंदू जन आक्रोश मोर्चा' रैलियां आयोजित की गई हैं। राज्य के लगभग सभी 36 जिलों में हुई इन रैलियों में से हर एक में एक तय पैटर्न का पालन किया गया है। हाथों में भगवा झंडे लिए और महाराष्ट्र की टोपियां पहने लोगों का समूह शहर के बीचों-बीच एक संक्षिप्त मार्च निकालते हैं और उसके बाद एक छोटी रैली करते हैं। रैली में बने अस्थायी मंच पर वक्ता अल्पसंख्यकों पर जुबानी हमला करते हैं। लव जिहाद, लैंड जिहाद, जबरन धर्मांतरण और मुस्लिम समुदाय के आर्थिक बहिष्कार के मुद्दों पर चर्चा करते हैं।

रैलियों में भाजपा नेताओं की मौजूदगी, पार्टी ने किया किनारा

बीजेपी ने भले ही इन रैलियों से यह कहते हुए खुद को दूर कर लिया कि ये रैलियां हिंदुत्व और संघ से जुड़े संगठनों से बनी संस्था सकल हिंदू समाज द्वारा की जा रही हैं, लेकिन इनमें से लगभग सभी कार्यक्रमों में स्थानीय बीजेपी विधायक और सांसदों की उपस्थिति रही है। हालांकि, भाषण बड़े पैमाने पर दक्षिणपंथी कट्टरपंथियों द्वारा दिए जाते हैं। इनमें निलंबित भाजपा नेता और तेलंगाना विधायक टी राजा सिंह, कालीचरण महाराज और काजल हिंदुस्तानी शामिल हैं। इनमें से टी राजा सिंह और कालीचरण महाराज अभद्र भाषा को लेकर कानूनी मामलों का सामना कर रहे हैं।

कौन हैं हिंदू रैलियों के विवादित और मशहूर वक्ता

टी राजा सिंह को इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद पर उनकी टिप्पणी के लिए पिछले साल अगस्त में भाजपा द्वारा निलंबित कर दिया गया था। वह महाराष्ट्र में ऐसी रैलियों में एक जाना-माना चेहरा हैं। कालीचरण महाराज उर्फ अभिजीत धनंजय सारंग महाराष्ट्र के अकोला के रहने वाले हैं। 'हिंदू राष्ट्र' के इस प्रस्तावक को दिसंबर 2021 में रायपुर में एक धर्म संसद में उनके भड़काऊ भाषण के लिए गिरफ्तार किया गया था। वहां उन्होंने कथित तौर पर नाथूराम गोडसे की तारीफ की थी। वहीं गुजरात के रहने वाले काजल हिंदुस्तानी उर्फ काजल शिंगला एक हिंदुत्व कार्यकर्ता हैं।

लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ भाषण

मुंबई के मीरा रोड में 12 मार्च को ऐसी ही एक रैली में ''इस्लामी आक्रामकता'', ''लव जिहाद'' और ''लैंड जिहाद'' के खिलाफ भाषण दिए गए थे। कुछ वक्ताओं ने मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का भी आव्हान किया था। काजल हिंदुस्तानी ने कहा, ''इस्लामी आक्रामकता के तीन प्रमुख पहलू हैं। पहला है लव जिहाद, दूसरा आता है लैंड जिहाद और अंत में धर्म परिवर्तन की समस्या आती है... इनके लिए... राम के नेतृत्व वाला समाधान है। जहां आपको राजनीतिक नेता, सुप्रीम कोर्ट या यहां तक कि मीडिया भी नहीं रोक पाएगा। वह समाधान उनका आर्थिक बहिष्कार है।'' भाषणों से पहले 2 किलोमीटर के मार्च को मीरा भायंदर से निर्दलीय विधायक गीता जैन ने झंडी दिखाकर रवाना किया था। वह महाराष्ट्र सरकार का समर्थन कर रही हैं। इस कार्यक्रम में भाजपा विधायक नितेश राणे के साथ स्थानीय भाजपा नेताओं और विहिप और बजरंग दल जैसे संगठनों के सदस्यों ने भाग लिया था।

महाराष्ट्र पुलिस करवा रही रैलियों की वीडियो रिकॉर्डिंग...

महाराष्ट्र पुलिस के जवानों को अधिकांश रैलियों में भाषण रिकॉर्ड करते देखा गया, लेकिन अभी तक किसी भी वक्ता के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। टी राजा सिंह को लातूर (फरवरी) और अहमदनगर (मार्च) में नफरत फैलाने वाले भाषणों के लिए महाराष्ट्र पुलिस द्वारा दो बार बुक किया गया है, लेकिन वे रैलियां 'हिंदू जन आक्रोश मोर्चा' के बैनर तले नहीं हुई थीं। महाराष्ट्र पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार हम इन रैलियों में कही जाने वाली हर बात की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे हैं। फिर हम उन्हें अच्छी तरह से सुनते हैं। उपयुक्त व्यक्तियों से कानूनी सलाह लेते हैं और फिर कानूनी कार्रवाई की जाती है।''

लंबी दूरी की ट्रेनों के हॉल्ट पर तैयार होगा पायलट प्रॉजेक्ट

पालघर : पश्चिम रेलवे पर जल्द ही लंबी दूरी की ट्रेनों के हॉल्ट पर पुनर्विचार किया जाएगा। इसके लिए एक पायलट प्रॉजेक्ट तैयार किया जाएगा। पिछले कुछ सालों में विद्युतिकरण और इन्फ्रास्ट्रक्चर के काम होने से ट्रेनों की स्पीड बढ़ी है। इस बदलाव के बाद लंबी दूरी की ट्रेनों के हॉल्ट की सुधार प्रक्रिया होनी है। अगर दो पड़ाव के बीच में कम दूरी है, तो उनमें से एक को रद्द किया जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पायलट प्रॉजेक्ट के तहत 5-6 ट्रेनों को पहले चुना गया है, जो मुंबई से दिल्ली और गुजरात के बीच ऑपरेट होती हैं। ये ट्रेनें बांद्रा टर्मिनस या मुंबई सेंट्रल से रवाना होती हैं और बोरीवली में इनका पड़ाव होता है। इस तरह की ट्रेनों के हॉल्ट को दादर, अंधेरी, बोरीवली, वसई और बोईसर या पालघर के बीच बांटा जाएगा।

मुंबई में शिवसेना शंदे गुट के कार्यकताओं ने बीजेपी के कार्यकर्ता की जमकर कर दी पिटाई...

मुंबई : मुंबई में शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकताओं ने की बीजेपी के एक कार्यकर्ता की जमकर पिटाई कर दी. बताया जा रहा है कि मुंबई के दहिसर पूर्व इलाके में महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में शामिल दोनों दलों के कार्यकताओं के बीच मारपीट की ये घटना हुई. बैनर लगाने को लेकर हुई झड़प के बाद शिवसेना के शिंदे गुट के लोगों ने बीजेपी के कार्यकर्ता को बुरी तरह पीट दिया. इस मारपीट में बीजेपी के कार्यकर्ता गंभीर चोटें को आईं हैं. बीजेपी के कार्यकर्ता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है.

गठबंधन सरकार में शामिल दोनों दलों के कार्यकताओं की मारपीट की घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. जिसमें साफ दिख रह कि शिवसेना के शिंदे गुट के तमाम लोग मिलकर बीजेपी के कार्यकर्ता को पीट रहे हैं. इस मामले में पुलिस ने अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है और आगे की जांच में जुटी है. शिवसेना के शिंदे गुट और बीजेपी के कार्यकर्ता में ये भिड़न्त ऐसे समय में सामने आई है, जब राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर गठबंधन के सहयोगियों में मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं.

महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीटों में पर अगले साल अक्टूबर में चुनाव होने वाले हैं. इसके साथ ही 2024 में भी लोकसभा के चुनाव होने हैं. महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं. ये कहा जा रहा है कि इखढ इनमें से ज्यादातर सीटों पर खुद ही चुनाव लड़ने की इच्छुक है. बीजेपी चाहती है कि शिवसेना का शिंदे गुट कम सीटों पर चुनाव लड़ने पर रजामंद हो जाए. मगर मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया कि शिंदे गुट इस प्रस्ताव को मानने के लिए कतई राजी नहीं है. उसने साफ कहा कि वह कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेंगी. इससे उसके सामने संकट खड़ा हो सकता है.

नागपुर में पत्नी संग रेशीम बाग पहुंचे समीर वानखेडे, स्मृति मंदिर में टेका माथा

महाराष्ट्रः हाल ही में आई एक खबर के मुताबिक, ठउइ अधिकारी समीर वानखेड़े और उनकी पत्नी अभिनेत्री क्रांति रेडकर ने रेशीमबाग का दौरा किया। समीर वानखेड़े के रेशीमबाग में जाने से कई लोग हैरान हैं। जी हां आपको समीर वानखेड़ेरेशीमबाग में गए और हेडगेवार की स्मृति के दर्शन किए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रेशमबाग स्थित स्मृति मंदिर में समीर वानखेड़े के आगमन से एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है।

समीर वानखेडे ने आज पत्नी के साथ जाकर रेशिमबाग सिल्क गार्डन का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संचालक केशव हेडगेवार और गोलवलकर की समाधि को प्रणाम किया और पुष्प अर्पित किए। इस बीच उन्होंने इस बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विजिट बुक पर भी अपने विचार बताए है। समीर वानखेड़े अचानक रेशम के बगीचे में पहुंच गए हैं और ऐसे में अब महाराष्ट्र की जनता में इस समीर वानखेड़े को लेकर चर्चा

शुरू हो गई है। जैसा कि हमने पहले ही आपको बताया समीर वानखेड़े एनसीबी के अधिकारी हैं। वह मुंबई में क्रूज ड्रग मामले से सुर्खियों में आए थे। वह मामले की जांच कर रहे थे। इसी मामले में एनसीपी नेता नवाब मलिक ने समीर वानखेडे पर गंभीर आरोप लगाए। मलिक ने वानखेड़े पर मुस्लिम होने का आरोप लगाया था। लेकिन इस मामले में उन्हें जाति सत्यापन समिति ने क्लीन चिट दे दी थी। नवाब मलिक ने आरोप लगाया था कि समीर वानखेड़े हिंदू महार नहीं बल्कि मुसलमान थे। समीर वानखेड़े के पिता का नाम दाऊद है या ज्ञानदेव? यह सवाल मलिक ने उठाया था।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com